# संगम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ की हिन्दी पत्रिका

जुलाई – सितंबर 2022

मुद्रण संस्करण 04 अंक 03

## निदेशक की कलम से....!

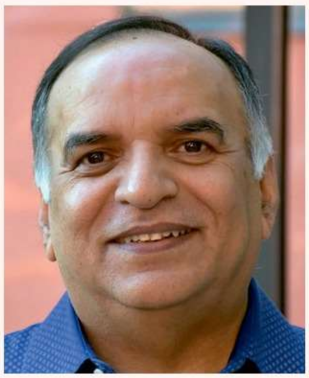

सर्वप्रथम मुझे भा.प्रौ.सं. रोपड़ परिवार में नवोदित अभियंताओं और नए सदस्यों का स्वागत करते हुए प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। स्नातक पाठ्यक्रम के छात्रों का वर्ष 2022 बैच भा.प्रौ.सं. रोपड़ के लिए विशेष है। 2000 रैंक से नीचे के 159 छात्र (सभी श्रेणियों सहित) भा.प्रौ.सं. रोपड़ में शामिल हुए हैं। हमें ''अभियांत्रिकी भौतिकी'' में हमारे नए पाठ्यक्रम प्रौद्योगिकी स्नातक के लिए शानदार प्रतिक्रिया मिली। हमने इस वर्ष अपनी सभी 25 सीटें भर दी हैं।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने 20% महिला छात्रों के एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर को पार कर लिया। हमारे परिसर में हर 5वां विद्यार्थी - एक छात्रा है - जो प्रौद्योगिकी और विज्ञान के क्षेत्रों में प्रभाव पैदा करेगी। हमें इस बात पर अत्याधिक गर्व है कि हमारे छात्र आरंभिक दौर में उल्लेखनीय स्थानन (प्लेसमेंट) में अपनी छाप छोड़ रहे हैं। भा.प्रौ.सं. रोपड़ में कैरियर विकास एवं स्थानन प्रकोष्ठ परिसर में अग्रणी कंपनियों को आकर्षित करने और सबसे आशाजनक स्थानन और प्रशिक्षुता प्रदान करने के लिए प्रभावी कार्यनीति के साथ आगे बढ़ना जारी रखे हुए है।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ के छात्र अपनी सांस्कृतिक और सौंदर्य पहलों के साथ हमारे परिसर को जीवंत बना रहे हैं। हमारे सुंदर दर्शनीय परिसर में, हमने दीपावली मनाई। इस वर्ष छात्रों ने लीडरशिप समिट का आयोजन किया, अन्य आईआईटी के छात्र परिषद प्रमुखों को चरित्र निर्माण और इवेंट संगठन और लोगों के कौशल के माध्यम से नेतृत्व कौशल बनाने के लिए आमंत्रित किया।

अंतरज्ञानानुशासनात्मक दृष्टिकोण हमारे अभिनव अकादमिक पाठ्यक्रम में गहराई से निहित है। छात्रों को कई रोचक लघु कार्यक्रमों की पेशकश की जाती है और उनके प्रमुख अभियांत्रिकी विषयों में गहराई और विस्तार का पता लगाया जाता है।

प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयों और संस्थानों के बीच पथप्रदर्शक की दृष्टि से, भा.प्रौ.सं. रोपड़ तकनीकी समाधान और नवाचारों के माध्यम से समाज को सरलता से, संसाधनपूर्ण और रचनात्मक रूप से समस्याओं को हल करने में मदद कर रहा है।

भा.प्रौ.सं. रोपड़ में संकाय सदस्यों की युवा, ऊर्जावान और बढ़ती ताकत के साथ, हमने मानव मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण के प्रति चिंता पर कोई ध्यान खोए बिना गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और तकनीकी उपलब्धियों के लिए मानक निर्धारित किए हैं।

मैं आशान्वित हुं कि इस लक्ष्य और दृष्टि के साथ, हम न केवल गुणवत्तापूर्ण अभियंता अपितु भविष्य के नेता तैयार करने के अपने स्वप्न को पूर्ण करने के लिए निरंतर अग्रसर रहेंगे।

जय हिंद !

## समाचार, आयोजन तथा गतिविधियाँ

### भा.प्रौ.सं. रोपड़ में अभियंता दिवस 2022 का आयोजन

आईआईटी रोपड़ ने भारत के महानतम अभियंता, भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरय्या की जयंती मनाने और संस्थान के तकनीकी कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए अभियंता दिवस मनाया। कार्यक्रम के दौरान श्री विकास गर्ग आईएएस और सुश्री भावना गर्ग आईएएस विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने संस्थान के विकास में अभियंताओं और तकनीकी सहायक कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

### भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन किया

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन किया। फिट इंडिया फ्रीडम रन फिट इंडियन अभियान को सशक्त करने का एक प्रयास है और इसमें भा.प्रौ.सं. रोपड़ परिवार को फिटनेस को जीवन के एक तरीके के रूप में अपनाने के लिए शामिल किया गया है।

## भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने "स्वतंत्रता दिवस" 2022 मनाया

आजादी का अमृत महोत्सव की भावना के साथ भा.प्रौ.सं. रोपड़ के सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया और गर्व और एकता के प्रतीक हमारा तिरंगा को वंदन किया और "हर घर तिरंगा" मनाया। प्रोफेसर राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्रध्वज फहराया।

## ''विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'' का आयोजन

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुपालन में, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने विभाजन की वजह से हमारे लाखों बहन और भाइयों को विस्थापित होना पड़ा। उन विस्थापितों के संघर्ष और बलिदान की याद में दिनांक 14 अगस्त 2022 को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाया गया। विभाजन के अशांत काल के चित्रों की एक प्रदर्शनी राधाकृष्णन खंड में लगाई गई थी। प्रदर्शनी पिछली शताब्दी में मानव आबादी के सबसे बड़े विस्थापन को प्रदर्शित कर रही थी, जिसने बड़ी संख्या में लोगों की जान भी ले ली।

## "आहार से आरोग्य" विषय पर भा.प्रौ.सं. रोपड़ द्वारा व्याख्यान का आयोजन

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने "आहार से आरोग्य" पर "भारत के मिलेट मैन" के रूप में जाने जाने वाले डॉ. खादर वली के व्याख्यान की मेजबानी की। बाजरा का 'लीगेसी ग्रेन' किस तरह जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को ठीक करने में सहयोगी सिद्ध हो सकता है और पंजाब के पर्यावरण और पारिस्थितिकी पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है।

## "कार्यशाला" का उद्घाटन

प्रोफेसर राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान मंडल (एसईआरबी_ऑनलाइन) द्वारा वित्त-पोषित और भौतिकी विभाग के डॉ. मुकेश कुमार द्वारा आयोजित एक सप्ताह (24-30 सितंबर, 2022) के लिए निर्धारित "कार्यशाला" का उद्घाटन किया। यह कार्यशाला विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा पर केंद्रित थी।

## अनुसंधान और नवाचार

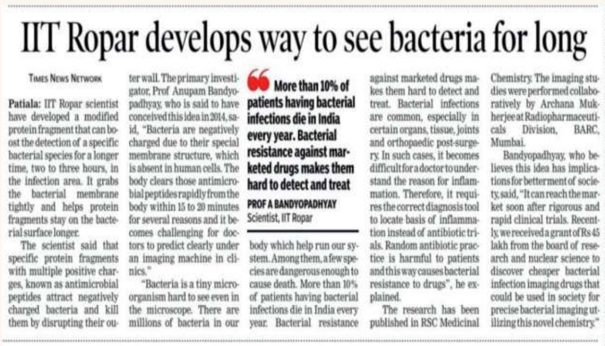

# IIT Ropar develops way to see bacteria for long

TIMES NEWS NETWORK

**Patiala:** IIT Ropar scientist have developed a modified protein fragment that can boost the detection of a specific bacterial species for a longer time, two to three hours, in the infection area. It grabs the bacterial membrane tightly and helps protein fragments stay on the bacterial surface longer.

The scientist said that specific protein fragments with multiple positive charges, known as antimicrobial peptides attract negatively charged bacteria and kill them by disrupting their outer wall. The primary investigator, Prof Anupam Bandyopadhyay, who is said to have conceived this idea in 2014, said, "Bacteria are negatively charged due to their special membrane structure, which is absent in human cells. The body clears those antimicrobial peptides rapidly from the body within 15 to 20 minutes for several reasons and it becomes challenging for doctors to predict clearly under an imaging machine in clinics."

"Bacteria is a tiny microorganism hard to see even in the microscope. There are millions of bacteria in our body which help run our system. Among them, a few species are dangerous enough to cause death. More than 10% of patients having bacterial infections die in India every year. Bacterial resistance against marketed drugs makes them hard to detect and treat. Bacterial infections are common, especially in certain organs, tissue, joints and orthopaedic post-surgery. In such cases, it becomes difficult for a doctor to understand the reason for inflammation. Therefore, it requires the correct diagnosis tool to locate basis of inflammation instead of antibiotic trials. Random antibiotic practice is harmful to patients and this way causes bacterial resistance to drugs", he explained.

The research has been published in RSC Medicinal Chemistry. The imaging studies were performed collaboratively by Archana Mukherjee at Radiopharmaceuticals Division, BARC, Mumbai.

Bandyopadhyay, who believes this idea has implications for betterment of society, said, "It can reach the market soon after rigorous and rapid clinical trials. Recently, we received a grant of Rs 45 lakh from the board of research and nuclear science to discover cheaper bacterial infection imaging drugs that could be used in society for precise bacterial imaging utilizing this novel chemistry."

**More than 10% of patients having bacterial infections die in India every year. Bacterial resistance against marketed drugs makes them hard to detect and treat**

PROF A BANDYOPADHYAY
Scientist, IIT Ropar

### भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने बैक्टीरिया को लंबे समय तक देखने का तरीका विकसित किया

भारत में हर साल बैक्टीरिया के संक्रमण वाले 10% से अधिक रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आईआईटी रोपड़ के वैज्ञानिकों ने बैक्टीरिया को लंबे समय तक देखने का तरीका विकसित किया। शोधकर्ताओं ने एक संशोधित प्रोटीन टुकड़ा विकसित किया है जो संक्रमण क्षेत्र में दो से तीन घंटे तक एक विशिष्ट जीवाणु प्रजातियों का पता लगाने में मदद कर सकता है। यह बैक्टीरिया की झिल्ली को मजबूती से पकड़ लेता है और प्रोटीन के टुकड़ों को बैक्टीरिया की सतह पर लंबे समय तक टिके रहने में मदद करता है।

## औद्योगिक अनुसंधान और विकास

जुलाई-अक्टूबर 2022 के दौरान अनुसंधान एवं विकास इकाई के माध्यम से प्रायोजित परियोजनाएं और परामर्शी नौकरियां

- 2.73 करोड़ रुपये के कुल स्वीकृत मूल्य के साथ 09 प्रायोजित परियोजनाएं।
- 3.03 करोड़ रुपये के कुल स्वीकृत मूल्य के साथ 32 परामर्श परियोजनाएं।

## पुरस्कार और मान्यता

### भा.प्रौ.सं. रोपड़ के प्रोफेसर को "एसीएम मल्टीमीडिया-2022" के मल्टीमीडिएट ग्रैंड चैलेंज में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ में कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग से डॉ. अभिनव ढाल को बैक चैनल डिटेक्शन के लिए 'मोनाश यूनिवर्सिटी' समाधान के सहयोगियों ने एसीएम मल्टीमीडिया 2022 के मल्टीमीडिएट ग्रैंड चैलेंज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

---

### भा.प्रौ.सं. रोपड़ के छात्रों को मिली डीएएडी एआईनेट फेलोशिप

सुश्री प्रतिभा कुमारी, अनुसंधान शोधार्थी, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ को साइबर फिजिकल सिस्टम्स (सीपीएस) में पोस्टडॉक-एआई के लिए डीएएडी एआईनेट फेलो के रूप में चयनित किया गया है।

### आईआईटी रोपड़ ने जीता सोलर डेकाथलॉन इंडिया

भा.प्रौ.सं. रोपड़ की "टीम तेजस्वी" ने 'कम्युनिटी रेजिलिएंस शेल्टर कैटेगरी' 2021 श्रेणी के तहत सोलर डेकाथलॉन इंडिया जीता और इसे डीएसटी इंडिया और भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है। भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने सोलर डेकाथलॉन इंडिया के पिछले दो वर्षों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है- कम्युनिटी रेजिलिएंस शेल्टर कैटेगरी (2021) में विजेता और एजुकेशनल बिल्डिंग कैटेगरी (2020) में फाइनलिस्ट। डॉ. असद एच. साहिर, पीएचडी के मार्गदर्शन में भा.प्रौ.सं. रोपड़ (प्रभजोत सिंह, कान्हा सिंघानिया, हिमांशु परगनिहा, वेदांत सती, सतंशु पाठक) के नेतृत्व वाली टीम, जिसमें पांच अलग-अलग संस्थानों के छात्र शामिल थे, को हाल ही में डॉ. जितेंद्र सिंह माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार और डॉ श्रीवारी चंद्रशेखर, सचिव, डीएसटी, भारत सरकार द्वारा एक समारोह में सम्मानित किया गया।

### कौन बनेगा करोड़पति में भा.प्रौ.सं. रोपड़ की रोशनी ऐप से संबंधित प्रश्न का समावेश

कौन बनेगा करोड़पति, SonyKBCliv seo टीम ने इस सवाल को उठाया है और नेत्रहीन लोगों के लिए नोटों की पहचान करने के लिए हमारे ऐप "रोशनी" के बारे में बहुत बड़े दर्शकों को बताया है।

## प्रतिनिधि मंडल का दौरा

### साउथ डकोटा स्टेट यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधिमंडल दौरा

प्रोफेसर संजीव कुमार, डीन, जेरोम जे. लोहर, एंडोवर्ड साउथ डकोटा स्टेट यूनिवर्सिटी ने दो संस्थानों के बीच अकादमिक आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देने और शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए भा.प्रौ.सं. रोपड़ का दौरा किया। यह प्रयास निकट अकादमिक सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित करेगा।

### ब्रिटिश उप उच्चायुक्त-कैरोलीन रोवेट का भा.प्रौ.सं. रोपड़ का दौरा

ब्रिटिश उप उच्चायुक्त-कैरोलिन रोवेट, यूके डिफेंस एंड सिक्योरिटी एक्सपोर्ट्स इंडिया के डोमिनिक बीलेस प्रमुख, और टीम ने प्रौद्योगिकी विकास, रक्षा और सुरक्षा और आपसी हित के कई और क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए, इसके अलावा यूके और भारत के बीच साझेदारी के अवसरों पर चर्चा करने के लिए प्रोफेसर राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ और संकाय सदस्यों से मुलाकात की।

# सम्मेलन / कार्यशालाएं

### जैव भाषाविज्ञान और विकासवादी भाषाविज्ञान में वर्तमान मुद्दों पर ऑनलाइन जीआईएएन पाठ्यक्रम

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने 'जैव भाषाविज्ञान और विकासवादी भाषाविज्ञान में वर्तमान मुद्दे' शीर्षक से एक ऑनलाइन जीआईएएन पाठ्यक्रम का आयोजन किया। पाठ्यक्रम का नेतृत्व प्रोफेसर कोजी फुजिता, क्योटो विश्वविद्यालय, जापान और डॉ. सोमदेव कर, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, भा.प्रौ.सं. रोपड़ में भाषा विज्ञान के सह प्राध्यापक ने किया।

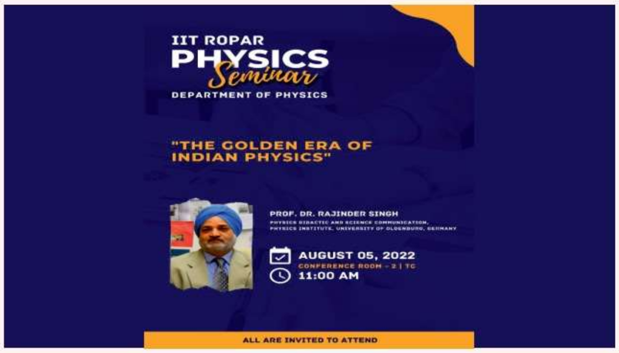


### "भारतीय भौतिकी का स्वर्णिम युग " पर एक संगोष्ठी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ में भौतिकी विभाग ने 5 अगस्त को भौतिकी संगोष्ठी का आयोजन किया। भौतिकी शिक्षाप्रद एवं विज्ञान संप्रेषण समूह (फिजिक्स डिडक्टिक एंड साइंस कम्युनिकेशन ग्रुप) , फिजिक्स इंस्टीट्यूट, ओल्डेनबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी के प्रोफेसर राजिंदर सिंह ने “भारतीय भौतिकी का स्वर्णिम युग” विषय पर एक संगोष्ठी में संबोधित किया।

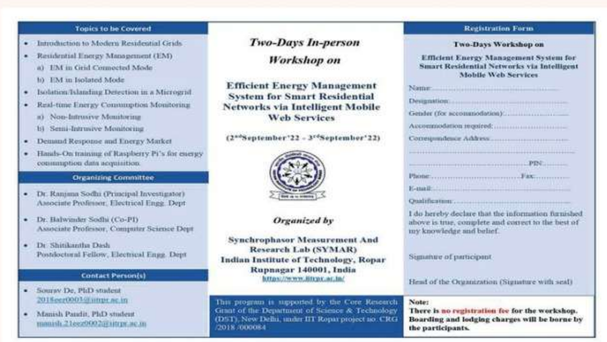


### प्रज्ञ मोबाइल वेब सेवाओं के माध्यम से स्मार्ट आवासीय नेटवर्क के लिए कुशल ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली पर कार्यशाला

भा.प्रौ.सं. रोपड़ में सिंक्रोफेसर मेजरमेंट एंड रिसर्च (SYMAR) लैब ने "प्रज्ञ मोबाइल वेब सेवाओं के माध्यम से स्मार्ट आवासीय नेटवर्क के लिए कुशल ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली" नामक दो दिवसीय व्यक्तिगत कार्यशाला का आयोजन किया। विभिन्न भा.प्रौ.सं. से संकायों द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान और प्रदर्शन/प्रशिक्षण का इस में समावेश था।

### "सतह अरैखिक प्रतिबिंबदर्शन का सिद्धांत" पर जीआईएएन पाठ्यक्रम

भौतिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने “सतह अरैखिक प्रतिबिंबदर्शन का सिद्धांत (थ्योरी ऑफ़ सरफेस नॉनलीनियर स्पेक्ट्रोस्कोपी”) पर जीआईएएन पाठ्यक्रम आयोजित किया। डॉ. कैलाश चंद्र जेना, सह प्राध्यापक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ समन्वयक थे और प्रोफेसर अकिहिरो मोरिटा, रसायन विज्ञान के प्रोफेसर, तोहोकू विश्वविद्यालय, सेंदाई, जापान को इस जीआईएएन कोर्स के विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

## आविष्कार- द आइडियाथॉन चैलेंज' पर एक कार्यशाला का आयोजन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर फाउंडेशन (टीबीआईएफ) के सहयोग से ई-सेल भा.प्रौ.सं. रोपड़ द्वारा बोस्टन साइंटिफिक द्वारा एक कार्यशाला "आविष्कार- द आइडियाथॉन चैलेंज" का आयोजन किया गया था। कार्यशाला में भाग लेने वाले विभिन्न विभागों के 200 से अधिक छात्रों के साथ यह आयोजन एक बड़ी सफलता थी। चिकित्सा उपकरणों और स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद विकास के लिए उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं से संबंधित ज्ञान प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने समस्या निर्माण, कंपनी कानूनी संरचना, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), वित्तीय योजना, बाजार अनुसंधान और निवेश रणनीतियों के बारे में सीखने के सुअवसर का लाभ लिया।

## "अगली पीढ़ी के बेतार नेटवर्क्स" पर कार्यशाला

भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने डीएसटी (DST) और एसईआरबी (SERB) के सहयोग से 26 अगस्त से 27 अगस्त 2022 तक "अगली पीढ़ी के बेतार नेटवर्क" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

# राजभाषा गतिविधियाँ

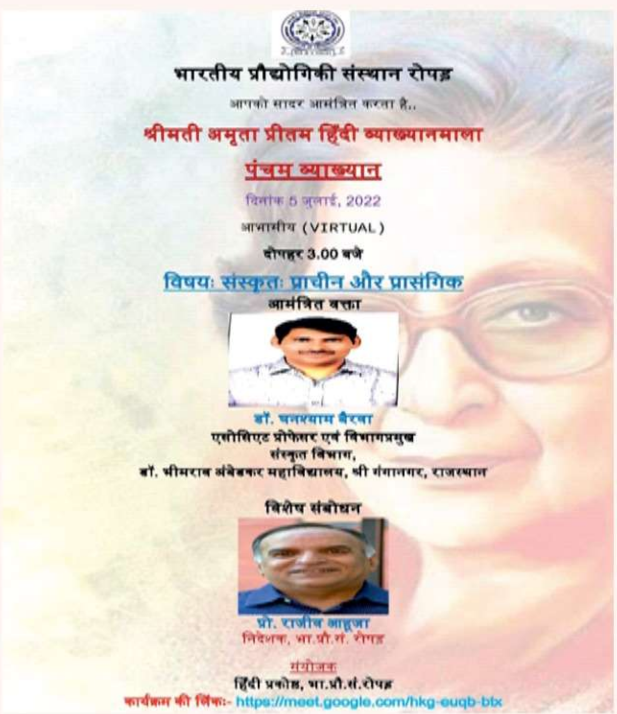


## श्रीमती अमृता प्रीतम हिंदी व्याख्यानमाला के अंतर्गत पंचम व्याख्यान संपन्न

हिंदी प्रकोष्ठ, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने श्रीमती अमृता प्रीतम हिंदी व्याख्यानमाला के अंतर्गत दिनांक 5 जुलाई 2022 को आभासीय रुप में पंचम व्याख्यान का आयोजन किया। इस व्याख्यानमाला में आमंत्रित वक्ता के रुप में डॉ. भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय, श्री गंगानगर, राजस्थान के संस्कृत विभाग क एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागप्रमुख डॉ. घनश्याम बैरवा जी को आमंत्रित किया गया था।

इस अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा जी ने अपने विशेष संबोधन से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अपने व्याख्यान में आमंत्रित वक्ता डॉ. घनश्याम बैरवा ने संस्कृत के उद्भव एवं विकास पर बात की। अपने विचार को साझा करते हुए डॉ. बैरवा ने संस्कृत का अन्य भाषाओं से साथ जो सहसंबंध पर भी प्रकाश डाला। साथ ही, डॉ. बैरवा ने भारतीय इतिहास में संस्कृत के भाषायी एवं सांस्कृतिक योगदान के साथ-साथ आधुनिक काल में इसकी प्रांसगिकता पर विशेष रुप से अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर, अपने विशेष संबोधन में संस्थान के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा ने सर्वप्रथम डॉ. बैरवा का धन्यवाद ज्ञापित किया कि उन्होंने संस्कृत की प्राचीन और प्रांसगिकता पर संस्थान सदस्यों का मार्गदर्शन किया। अपने विचारों को साझा करते हुए प्रोफेसर आहूजा ने कंप्यूटर संबंधित कार्यों विशेष रुप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता में संस्कृत भाषा की महती भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही, सभी से अपील की कि हमें सभी भारतीय भाषाओं के साथ-साथ संस्कृत जो कि सभी भाषाओं की जननी है उसके प्रयोग को बढ़ाने की दिशा में अपना योगदान देना चाहिए।

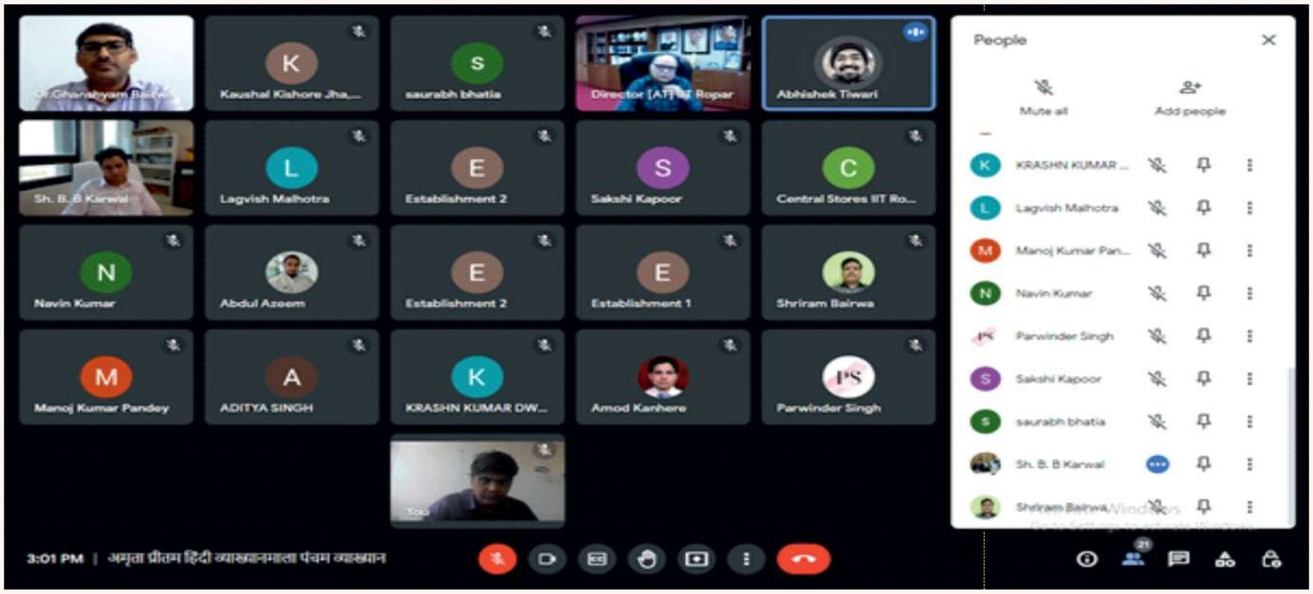


इस व्याख्यानमाला का संचालन डॉ. अभिषेक तिवारी, संकाय प्रभारी हिंदी ने किया। अपने सूत्र- संचालन के दौरान डॉ. अभिषेक तिवारी ने कहा कि आनेवाले भविष्य में संस्कृत केवल एक कुलीन भाषा ही न रहे अपितु हम सभी इस भाषा में संगीत का आस्वाद ले, फिल्मे देख सकें।

इस कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी श्री बी. बी. करवल ने किया। आमंत्रित वक्ता, संस्थान के निदेशक तथा उपस्थितों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए इस बात का उल्लेख किया संस्थान के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा जी के नेतृत्व यह संस्थान संस्कृत, हिंदी, पंजाबी तथा सभी भारतीय भाषाओं के उत्थान को लेकर सजग है।

## स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता

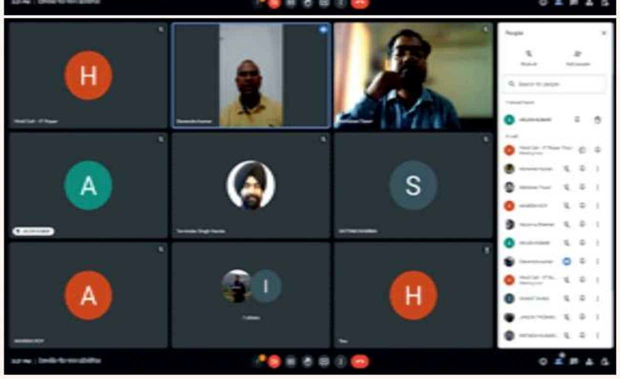

हिंदी प्रकोष्ठ, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान सदस्यों के लिए देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता संस्थान के विद्यार्थी और कर्मचारी ऐसी दो श्रेणियों में पुरस्कार राशि के साथ आयोजित की गई।

इस अवसर पर संस्थान सदस्यों द्वारा अच्छी सहभागिता देखी गई। विद्यार्थियों तथा कर्मचारी सदस्यों ने देशभक्तिपरक गीतों की प्रस्तुति से न केवल अपने कलागुणों को सभी के समक्ष रखा बल्कि पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

इस अवसर पर प्रतियोगिता के मूल्यांकन हेतु परीक्षक मंडल के रुप में डॉ. अभिषेक तिवारी, संकाय प्रभारी हिंदी और डॉ. सम दर्शी, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग को आमंत्रित किया गया था।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में, दोनों परीक्षकों ने सभी प्रतिभागियों द्वारा दी गई प्रस्तुति की प्रशंसा एवं सराहना की।

विद्यार्थी श्रेणी में प्रमथ पुरस्कार सुश्री अपूर्वा शेखर (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान), द्वितीय पुरस्कार श्री सत्यम शर्मा (भौतिक विभाग), तृतीय पुरस्कार श्री अभिषेक कुमार (भौतिक विभाग), प्रोत्साहन पुरस्कार संयुक्त रुप से श्री शुभम (सिविल अभि. विभाग) और सुश्री आकर्षि रॉय (विद्युत अभि. विभाग) तथा प्रोत्साहन पुरस्कार श्री ईशांत सिहाग (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभि. विभाग) को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

कर्मचारी श्रेणी में श्री तरविंदर सिंह हांडा (केंद्रीय पुस्तकालय) को प्रथम पुरस्कार और श्री देवेंद्र कुमार (विद्युत अभि. विभाग) को द्वितीय पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। इस प्रतियोगिता का संचालन संस्थान के हिंदी अनुवादक डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे ने किया।

## हिंदी कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में हिंदी प्रकोष्ठ, भा.प्रौ.सं. रोपड़ ने जुलाई-सितंबर 2022 तिमाही के दौरान हिंदी कार्यशाला का आयोजन संपन्न किया। संस्थान का हिंदी प्रकोष्ठ प्रति तिमाही एक कार्यशाला का आयोजन संपन्न करता आ रहा है। इसी क्रम में, दिनांक 12 सितंबर 2022 को आनलाइन माध्यम से हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य संस्थान सदस्यों को हिंदी भाषा, वर्णमाला तथा व्याकरण संबंधि महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मार्गदर्शित करना रहा है। अतः इस विषय पर संस्थान सदस्यों का मार्गदर्शन करने हेतु श्री चरणजीत वर्मा, सहायक निदेशक, हिंदी शब्द संसाधन/हिंदी टंकण, हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को विशेष रुप से आमंत्रित किया गया था। इस कार्यशाला में संस्थान के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर अपनी सहभागिता दर्ज की।

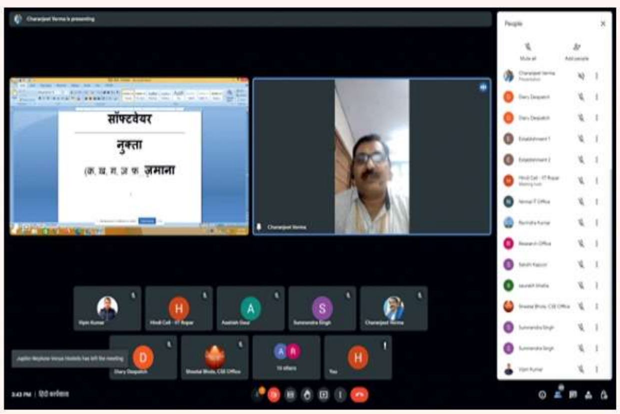


अपने मार्गदर्शन पर वक्तव्य में श्री चरणजीत वर्मा, सहायक निदेशक ने हिंदी वर्णमाला, इसकी वर्तनी में स्वाभाविक रुप से होनेवाली त्रुटियां एवं अशुद्धियां पर सभी को मार्गदर्शित किया।

श्री चरणजीत वर्मा जी ने हिंदी भाषा के व्याकरण पर चर्चा करते हुए हिंदी भाषा के उत्थान एवं विकास तथा इसके उत्तरोत्तर प्रयोग की दिशा में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा बनाए गए विभिन्न सॉफ्टवेयर की विस्तृत जानकारी भी दी।

इस कार्यशाला के अंतिम चरण में, संस्थान के हिंदी अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव श्री लगवीश कुमार ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए श्री चरणजीत वर्मा जी का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा सभी उपस्थितों को भी धन्यवाद किया। श्री लगवीश कुमार ने अपने विचार साझा करते हुए श्री चरणजीत वर्मा जी को अपना मार्गदर्शन इसी प्रकार संस्थान सदस्यों को प्रदान करने की अभिलाषा व्यक्त की। इस कार्यशाला का संचालन डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे, हिंदी अनुवादक ने किया।

## संस्थान में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी पखवाड़ा 2022 का आयोजन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रोपड़ ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर 15 दिवसीय हिंदी पखवाड़ा 2022 का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न किया। यह पखवाड़ा 14 सितंबर 2022 से 28 सितंबर 2022 तक आयोजित किया गया था। इस पखवाड़ा के दौरान संस्थान के विद्यार्थियों के लिए कुल 06 प्रतियोगिताएं, संस्थान के संकाय सदस्य एवं कर्मचारियों के लिए कुल 09 प्रतियोगिताएं, सुरक्षा/सफाइ/परिचारकों के लिए 01 प्रतियोगिता तथा संस्थान सदस्यों के बच्चों एवं परिवारजनों के लिए 01 प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

हिंदी पखवाड़ा 2022 का उद्घाटन समारोह दिनांक 14 सितंबर 2022 को मुख्य अतिथि डॉ. तारो सिंदिक (साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार से पुरस्कृत), अरुणाचल प्रदेश, भारत तथा संस्थान के निदेशक प्रोफेसर राजीव आहूजा जी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर सर्वप्रथम प्रो. नवीन कुमार ने माननीय मंत्री महोदय, शिक्षा, कौशल और उद्यमशीलता, भारत सरकार के संदेश का वाचन किया।

इस अवसर पर अधिष्ठाता (संकाय मामले एवं प्रशासन) प्रो. मनोरंजन मिश्रा ने हिंदी प्रकोष्ठ की गतिविधियों पर संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत करते हुए सभी को इस बात से अवगत कराया कि संस्थान को राजभाषा हिंदी में श्रेष्ठ कार्य करने हेतु नराकास, रुपनगर की वित्तीय वर्ष 2019-20, 2020-21 तथा 2021-22 के लिए द्वितीय राजभाषा शील्ड हेतु चयनित किया गया है। इसके लिए प्रो. मिश्रा ने हिंदी प्रकोष्ठ के कार्यों की सराहना एवं प्रशंसा की।

**प्रो. मनोरंजन मिश्रा हिंदी पखवाड़ा का संक्षिप्त परिचय देते हुए**

हिंदी पखवाड़ा उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. तारो सिंदिक ने अपने हिंदी भाषा के विकास तथा इसके उत्तरोत्तर प्रयोग की दिशा में अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही, अरुणाचल प्रदेश के साथ साथ- पूर्वोत्तर राज्यों में हिंदी के विकास पर भी प्रकाश डाला।

**मुख्य अतिथि डॉ. तारो सिंदिक विचार व्यक्त करते हुए**

हिंदी पखवाड़ा 2022 का शुभारंभ संस्थान के माननीय निदेशक प्रो. राजीव आहूजा के संबोधन से हुआ। इस अवसर पर प्रो. आहूजा महोदय ने सर्वप्रथम डॉ. सिंदिक जी का संस्थान सदस्यों की ओर से स्वागत एवं अभिवादन किया। अपने विचारों को साझा करते हुए प्रो. आहुजा जी ने राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संस्थान के सभी सदस्यों से हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने की अपील की।

इस पखवाड़ा के उद्घाटन समारोह के बाद अगले 15 दिनों तक विभिन्न श्रेणियो में विभिन्न प्रतियोगिताओं का दौर चलता रहा जिसमें संस्थान के विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने न केवल अपनी उत्साहजनक सहभागिता दिखाई अपितु अपने कलागुणों को भी सभी के समक्ष रखा जो इस पखवाड़े के आयोजन का मुख्य उद्देश्य था।

इस पखवाड़ा का समापन समारोह दिनांक 29 सितंबर 2022 को संपन्न हुआ जिसमें विजेताओं को संस्थान के माननीय निदेशक महोदय द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रो. राजीव आहूजा ने सभी विजेताओं का अभिनंदन किया

हिंदी पखवाड़ा 2022 के समापन समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती इंदिरा दांगी जी ने इस अवसर पर बड़े ही रोचक ढंग से हिंदी भाषा के विकास पर प्रकाश डाला तथा सभी से अपील की कि वे बोलचाल की भाषा के रुप में अपनी-अपनी मातृभाषा में अधिकाधिक प्रयोग को सुनिश्चित करें।

डॉ. दिनेश के. एस, कार्यवाहक कुलसचिव ने इस अवसर पर सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। अपने धन्यवाद ज्ञापन में कुलसचिव महोदय ने संस्थान की विभिन्न हिंदी गतिविधियों एवं उत्तरोत्तर प्रगति की सराहना एवं प्रशंसा की।

प्रो. राजीव आहूजा, निदेशक, भा.प्रौ.सं. रोपड़ हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह को संबोधित करते हुए

समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती इंदिरा दांगी विचार व्यक्त करते हुए

डॉ. अभिषेक तिवारी, (संकाय प्रभारी हिंदी)
औपचारिक स्वागत भाषण करते हुए

डॉ. दिनेश के. एस., कार्यवाहक कुलसचिव
धन्यवाद ज्ञापित करते हुए

# हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह के कुछ क्षण

संस्थान के कर्मचारी पुरस्कार लेते हुए

संस्थान के विद्यार्थी पुरस्कार लेते हुए

संस्थान के सफाई/सुरक्षा/बागबानी कर्मचारी पुरस्कार लेते हुए

माननीय निदेशक महोदय द्वारा पुरस्कार प्राप्त करते हुए

## संस्थान की प्रशिक्षण उपलब्धियाँ

### 63वां सत्र (फरवरी 2022 से जुलाई 2022)

केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित हिंदी शब्द संसाधन (हिंदी टाइपिंग) पत्राचार प्रशिक्षण का 63वां सत्र (फरवरी 2022 से जुलाई 2022) की माह जुलाई 2022 में संपन्न परीक्षा में संस्थान के निम्न तीन सदस्य उत्तीर्ण हुए।

**सुश्री रुबल बत्ता,**
कनि. सहायक, डायरी एवं प्रेषण अनुभाग

**श्री आशीष गौड़,**
कनि. सहायक, भंडार एवं क्रय अनुभाग

**श्री सुमित राणा,**
कनि. सहायक, स्थापना अनुभाग

### 61वां सत्र (फरवरी 2021 से जुलाई 2021) की पूरक परीक्षा माह जुलाई 2022 में संपन्न में उत्तीर्ण सदस्य

**सुश्री शीतल भोला,**
कनि. सहायक, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

## चल रहे राजभाषा प्रशिक्षण

### हिंदी भाषा प्रशिक्षण

हिंदी शिक्षण योजना, नई दिल्ली द्वारा संचालित हिंदी भाषा प्रशिक्षण के सत्र जुलाई-नवंबर 2022 में संस्थान के कुल 06 कर्मचारी सदस्य पंजीकृत हुए है। जिसमें डॉ. हरप्रीत कौर (पुस्तकालय सूचना अधिकारी) और सुश्री नबनीता चक्रबोर्ति (कनि. अधीक्षक) हिंदी प्राज्ञ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है वहीं श्री सुमित राणा (कनि. सहायक), सुश्री साक्षी कपूर (कनि. सहायक), सुश्री पूनम रानी (कनि. अधीक्षक) तथा सुश्री मनदीप कौर (कनि. सहायक) हिंदी पारंगत प्रशिक्षण का लाभ ले रहे है।

### हिंदी टाइपिंग प्रशिक्षण

केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संचालित हिंदी टाइपिंग एवं आशुलिपि प्रशिक्षण के सत्र अगस्त 2022 से जनवरी 2023 के सत्र में संस्थान के कुल 10 कर्मचारी सदस्य पंजीकृत हुए है। इस सत्र में सुश्री नेहा डण्ढारे (वरि. सहायक), श्री समनेन्द्र सिंह (कनि. अधीक्षक), सुश्री भावना भाटिया (कनि. सहायक), सुश्री परविंदर कौर (कनि. सहायक), सुश्री साक्षी कपूर (कनि. सहायक), श्री सरबजीत सिंह (कनि. परिचारक), श्री दलजीत सिंह सैनी (वरि. सहायक), श्री मनोज कुमार (कनि. सहायक), श्री गगनदीप सिंह (कनि. सहायक) तथा श्री विजय कुमार (अधीक्षक) इस प्रशिक्षण का लाभ ले रहे है।

# एक संकाय के रूप में आगे बढ़ते हुए – नव कार्यग्रहण

**डॉ. किशंत कुमार**
सहायक प्राध्यापक
रासायनिक अभियांत्रिकी

**डॉ. रवी कुमार**
सहायक प्राध्यापक
मान. एवं सामा. विज्ञान

**डॉ. बसंत सुब्बा**
सहायक प्राध्यापक
कंप्यू. वि. एवं अभि.

**डॉ. राजिंदर कुमार मुनियन**
सहायक प्राध्यापक
यांत्रि. अभि.

**डॉ. जगप्रीत सिंह**
सहायक प्राध्यापक
कंप्यू. वि. एवं अभि.

**डॉ. संतोष कुमार विपर्थी**
सहायक प्राध्यापक
विद्यु. अभि.

**डॉ. जयराम वल्लुरु**
सहायक प्राध्यापक
रासायनिक अभियांत्रिकी

**सुश्री गुरदीश के. संधू**
अनुबद्ध संकाय
अनुप्रयुक्त आंकड़ा विज्ञान अनुसंधान केंद्र

## एक कर्मचारी के रूप में आगे बढ़ते हुए – नव कार्यग्रहण

**श्री मनप्रीत सिंह बेदी**
सहायक कुलसचिव
(अनुबंध पर)
भंडार एवं क्रय

**श्री निशबिंदर सिंह (सेवानिवृत्त) लेफ्टिनेंट कमांडर**
सहायक कुलसचिव
(अनुबंध पर)
अनु. एवं विका. तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं पूर्वछात्र मामले

**श्री अजय कुमार श्रीवास्तव**
परियोजना सहायक (तकनीकी)
(अनुबंध पर)
विद्यार्थी मामले

**श्री सुर्यनारायणन परिदा**
परामर्शदाता (व्यापक प्रतिबिंब विश्लेषण सुविधा) (अनुबंध पर)
केंद्रीय अनुसंधान सुविधा

**श्री जगजीत सिंह**
परियोजना अभियंता
(सिविल) (अनुबंध पर)
कार्य एवं संपदा

संरक्षक संपादक
प्रो. राजीव आहूजा
निदेशक,
भा.प्रौ.सं.रोपड़

परामर्शदाता संपादक
डॉ. अभिषेक तिवारी
संकाय प्रभारी (हिन्दी)

श्री लगवीश कुमार
हिन्दी अधिकारी तथा संयुक्त कुलसचिव
भा.प्रौ.सं.रोपड़

संपादक
डॉ. गिरीश प्रमोदराव कठाणे
हिन्दी अनुवादक,
भा.प्रौ.सं.रोपड़

अभिकल्प, प्रकाशन एवं मुद्रण
सुश्री प्रीतेंदर कौर
जनसंपर्क अधिकारी, भा.प्रौ.सं.रोपड़
संपादन सहयोग
श्री ऋतभ किशोर
छात्र समन्वयक (संगम पत्रिका),
पीएच. डी. शोधार्थी, यांत्रिक अभि. विभाग, भा.प्रौ.सं.रोपड़